(b) A statement (Hindi and Englissh versions) explaining the reasons for not laying the Hindi version of the Notification [*Placed in Library. See* No. LT-9057/75.]

NOTIFICATION UNDER ESSENTIAL COMMODITIES ACT.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PRABHUDAS PATEL): I beg to lay on the Table a copy of (Notification No. G.S.R. 44 (E) (Hindi and English versions) published in Gazette of India dated the 5th February, 1975, under sub-section (6) of section 3 of the Essential Commodies Act, 1955 [*Placed in Library. See* No. LT-9058/75]

12.20 hrs.

RE QUESTION OF PRIVILEGE—*contd.*

(Interruptions)

MR SPEAKER: Kindly do not interrupt. I have not allowed anybody; you do not force me to do it We are already on the other business This was disallowed the other day. The Prime Minister has made a statement and after that I am passing on to the next business. I have gone to the next item.

SHRI H. N. MUKERJEE (Calcutta-North-East): May I make a submission?

MR. SPEAKER: Yes.

SHRI H. N. MUKERJEE: I am only submitting for your consideration *one thing. Nobody is questioning* either your ruling or what the Prime Minister has stated. My friend Prof. Dandavate appears to have something in writing which causes some confussion in his mind I submit that you call him to your Chamber—and also whoever else you think is interested in this matter—and you settle the matter there. It cannot go on like this

(Interruptions)

MR. SPEAKER: He can write to me; he can see me.

SHRI H. N. MUKERJEE: You can make an offer in the House to call him.

(Interruptions)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): क्या प्रधान मंत्री जी ने जो कहा है, उस को चुनौती नहीं दी जा सकती ? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आर्डर प्लीज । मैं आप से बात करूंगा ।

उस दिन आप ने इस को रेज किया था और आप उस पर बोले । आप ने कुछ मिनट इस बारे में कहा और उस के बाद मैंने कहा I do not treat it as privilege.

और उस के बाद आप ने कहा कि मिनिस्टर ने आफर किया । आप दोबारा कैसे इस को रेज कर सकते है ? आप ने उस दिन इस को रेज किया था और आप उस पर बोले और उस के बाद मैं ने डिसएलाउ किया । हर रोज यह बात आए, यह कैसे हो सकता है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह ठीक है कि आप ने प्रिविलेज मोशन पेश करने की इजाजत नहीं दी । यह ठीक बात है ।

अध्यक्ष महोदय : आप बोले भी उस दिन ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : लेकिन आप को याद होगा कि उस दिन पार्लियामेंट्री एफेयर्स मिनिस्टर ने कहा था कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और वे थोड़ा समय चाहते हैं ।

MR. SPEAKER: I have made it clear.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरा कर लेने दीजिए । दूसरी बात यह है कि आज श्री मधु दंडवते कुछ कागज लेकर आए हैं जिन के बारे में उन का कहना है कि प्रधान मंत्री से कोरेसपोंडेंस हुई है । वह कोरेसपोंडेंस उस समय मेरे पास नहीं थी ।